

नुज्ञानामि वा वीरौ चरतं यत्र वाञ्छितम् MBh. 1, 8477. अनुज्ञानीहि माम्
 ВІДІША. 2, 28. R. 2, 34, 23. आचात्तोश्चानुज्ञानीयात् M. 3, 251. सरथान्सध-
 नुष्काश्चाप्यनुज्ञासिधमप्यकम् MBh. 2, 2699. अनुज्ञाने त्वाम् R. 2, 70, 17. 3,
 5, 11. अनुज्ञसे MBh. 1, 1136. 3, 1472. 14841. एनमनुज्ञसे गृहे प्रति HARIV.
 9040. चिरविप्रेषितां मातर्मानुज्ञातुमर्हसि MBh. 3, 2712. 2954. सेयं याति
 शकुन्तला पतिगृहे सर्वैरनुज्ञापताम् ÇĀk. 84. अनुज्ञात KĀTJ. Ça. 10, 7, 5.
 MBh. 1, 5899. 3, 2293. 2748. 14842. ÇĀk. 32, 11. PAÑKĀT. 8, 15. ÇUK. 42, 6.
 Auch von leblosen Dingen: रथं दिव्यमिन्द्रदत्तम् — अनुज्ञाय R. 6, 97, 4.
 अनुज्ञातं तु रामेण तद्विमानं मनोजवम् । उत्पपात 108, 1. सर्वमेवानुज्ञाना-
 मि चीराण्येवानुयात् मे ich sage Allen Lebewohl, lasse Alles zurück 2,
 37, 4. — 6) Jmd auffordern, bitten, beschwören: त्वो साकमनुज्ञानामि न
 गतव्यमिति वनम् R. 2, 21, 25. jubere WRST. — 7) sich Jmd (acc.) gnä-
 dig erweisen, seine Gewogenheit an den Tag legen: अनुज्ञानात्स धर्म-
 ज्ञो मुनिर्दिव्येन वक्षुषा । पाण्डोः पुत्रान् — आस्यतामिति चाब्रवीत् MBh.
 3, 11631. ते मा वीर्येण यशसा — अस्त्रैश्चाप्यन्वजानत 12045. सर्वभूतेष्वनु-
 ज्ञातः शंकरेण 8, 823. — 8) nach अनुज्ञात, wenn es ein Lob einschliesst,
 ist das nachfolgende Wort im comp., so wie auch ein nachfolgendes
 verbum finitum, unbetont, gaṇa काष्ठादि zu P. 8, 1, 67. 68. — Vgl. अ-
 नुज्ञा. — caus. 1) um Erlaubniss bitten für (acc.): घृताक्तमन्मनुज्ञापय-
 ति ऀच. GRHJ. 4, 7. — 2) Jmd (acc.) um Erlaubniss bitten: (नाधीयीत)
 अतिथिं चाननुज्ञाप्य M. 4, 122. सानुज्ञाप्याधिवेतव्या 9, 82. ते कौरव्यम-
 नुज्ञाप्य धृतराष्ट्रम् — दहने तु सपुत्रायाः कुल्या बुद्धिमकारयन् MBh. 1,
 5636. स मातरमनुज्ञाप्य तपस्येव मनो दधे 2414. — 3) Jmd um Erlaub-
 niss bitten fortzugehen, sich verabschieden bei (acc.): एवमाश्वास्य राजा-
 नम् — अनुज्ञाप्य — तत्रैवात्तरधीयत MBh. 3, 8274. जगत्तुष्ट यथाकामम-
 नुज्ञाप्य परस्परम् 12781. HARIV. 8712. R. 2, 71, 13. 3, 9, 16. PAÑKĀT. 233,
 14. — desid. act. अनुज्ञिज्ञासति P. 1, 3, 58. VOP. 23, 57. gewähren —,
 zugestehen wollen: अनुज्ञिज्ञासतेवाद्य लङ्कारदर्शनमिन्द्रना — उदैयत BHATT.
 8, 35. Jmd (acc.) eine Erlaubniss zu ertheilen beabsichtigen: पुत्रमनुज्ञि-
 ज्ञासति P. 1, 3, 58, Sch. Vom intrans. med.: सर्पिषो ऽनुज्ञिज्ञासते (vgl.
 simpl. 4) eband.

— अनुज्ञु 1) Etwas zugestehen, gutheissen, billigen: अतो नाभ्यनुज्ञा-
 नामि गमनं तत्र वः स्वयम् MBh. 3, 14826. यच्च ते ऽभ्यनुज्ञानीयुः कर्म 12,
 3992. यं च ते ऽभ्यनुज्ञानीयुः स धर्मः 3993. तत्र पित्राभ्यनुज्ञातं ममेदं प्रणु
 R. 3, 53, 15. हृदयेनाभ्यनुज्ञातो यो धर्मः M. 2, 1. पूजामनकः कस्मात्त्वमभ्य-
 नुज्ञातवानसि zugeben, annehmen MBh. 2, 1363. — 2) Jmd ermächtigen,
 eine Erlaubniss ertheilen; auffordern: मां वाप्यभ्यनुज्ञानीहि MBh. 2,
 1225. अनुज्ञुज्ञात ermächtigt, aufgefördert M. 3, 243. JĀG. 1, 235. MBh.
 1, 6617. 3, 1813. 1865. 1881. 2956. ŚIV. 6, 26. R. 1, 68, 12. 3, 33, 7.
 4, 21, 30. 31. 5, 60, 4. अनुभ्यनुज्ञात (so ist zu lesen) M. 2, 229; vgl. MBh.
 12, 3993. — 3) Jmd entlassen, beurlauben: शतवर्षापि तं मां हि न त्वम-
 भ्यनुज्ञानिथाः MBh. 14, 1641. अनुभ्यनुज्ञात 1642. 3, 1845. BENF. Chr. 21, 10.
 HARIV. 6467. R. 1, 2, 3. 2, 68, 11. 3, 19, 26. 6, 97, 6. MRĪG. 109, 25. PAÑ-
 KĀT. 93, 22. BHĀG. P. 1, 10, 8. — 4) sich Jmd (acc.) gnädig erweisen: ब्र-
 ह्मणा यो ऽभ्यनुज्ञातः — कामद्वयधत्वं च प्रतिपेदे R. 3, 36, 19. — 5) sich
 verabschieden (vgl. caus.): स तथेति प्रतिश्रुत्य पूजयित्वा च नारदम् । अ-

ben bei (acc.), Abschied nehmen von: नृपतिं त्वभ्यनुज्ञाप्य वसिष्ठो ऽथाप-
 चक्रमे MBh. 1, 6619. 3, 11394. 9, 3022. 14, 366. अनुभ्यनुज्ञापयिष्यत्सत्तं नि-
 वासम् 3, 17450.

— प्रत्यभ्यनु einen sich Verabschiedenden entlassen: मामामह्य द्विज-
 र्षभ । मया प्रत्यभ्यनुज्ञातस्ततो यास्यसि MBh. 12, 13928.

— प्रत्यनु zurückweisen: तत्सर्वं प्रत्यनुज्ञासीदामः — न हि तत्प्रत्य-
 गृह्णात्स तत्रधर्ममनुस्मरन् R. 2, 87, 16.

— समनु 1) Etwas zugestehen, gutheissen, billigen: दुर्वोधनस्य गमनं
 समनुज्ञातुमर्हसि MBh. 3, 14824. इति वानरमुष्यस्य समनुज्ञाय शामनम् R.
 5, 2, 8. तथेति समनुज्ञाय MBh. 1, 4972. HARIV. 1337. अस्माभिः समनुज्ञाते
 दमपत्या नलो वृत्: mit unserer Einwilligung MBh. 3, 2245. — 2) Jmd
 Etwas nachsehen, verzeihen: संवासात्परुषं किञ्चिद् ज्ञानादपि यत्कृतम् ।
 तन्मे समनुज्ञातुमर्हसि R. 2, 39, 38. — 3) Jmd ermächtigen, eine Erlaub-
 niss ertheilen; auffordern: एवं च त्वो पिता — समनुज्ञातुमर्हसि MBh. 3,
 14815. समनुज्ञातवांश्च त्वष्टारं ब्रुवसिद्धये HARIV. 589. समनुज्ञात MBh. 3,
 222. 1850. — 4) Jmd entlassen, beurlauben: तस्मान्मां त्वम् — समनुज्ञा-
 तुमर्हसि MBh. 3, 5974. समनुज्ञासिषं कन्याम् 5977. समनुज्ञात 1, 8473. 3,
 2232. SUND. 2, 2. — 5) sich Jmd (acc.) gnädig erweisen: गोभिश्च समनु-
 ज्ञातः सर्वत्र च महीयते MBh. 13, 3603. ब्रह्मणा समनुज्ञातावमृतप्राशना-
 कुभौ R. 6, 4, 7. — caus. 1) sich Etwas zusagen lassen, ausbitten, entge-
 gennehmen von: रामात् — ब्रह्मास्त्रं समनुज्ञाप्य MBh. 1, 6340. — 2) Jmd
 um Erlaubniss bitten: समनुज्ञाप्य कालाम् MBh. 5, 5976. R. 2, 40, 2. —
 3) sich beurlauben bei (acc.), sich verabschieden von: समनुज्ञाप्य माध-
 वीम् MBh. 1, 5824. 3, 8474. R. 1, 74, 6. BHĀG. P. 3, 33, 33. (राजा) गत्वा क-
 तात्तरं त्वन्यत्समनुज्ञाप्य जन्म M. 7, 224. ततो ऽभिगम्य राजानम् — सम-
 नुज्ञापयामास निवर्ततु भवानिति R. 1, 17, 21. — 4) Jmd freundlich be-
 grüssen: समनुज्ञाप्य तान्सर्वानासीनान्मुनिर्ब्रवीत् MBh. 1, 6423.

— अय med. ableugnen, verheimlichen P. 1, 3, 44. शतमपजानीते Sch.
 VOP. 23, 33. unkenntlich machen: आत्मानमपजानानः शशमात्रो ऽनयदि-
 नम् BHATT. 8, 26.

— अभि 1) erkennen; merken, wahrnehmen; kennen, wissen: नाभ्य-
 ज्ञानत्रलम् MBh. 3, 2201. 2212. R. 3, 68, 42. 4, 5, 10. 12, 29. रामो यद्भिज्ञा-
 नीयाद्भिज्ञानं प्रयच्छ मे 5, 36, 9. BHĀG. P. 1, 4, 33. स ता गिरः — नाभ्य-
 ज्ञानत MBh. 18, 64. प्रहारात्राभिज्ञानाति यो ऽङ्गच्छेद्मथापि वा SUG. 1,
 113, 3. तद्भिज्ञाय BHĀG. P. 4, 19, 26. अनुभ्यः — भयं यो नाभिज्ञानाति R.
 6, 94, 15. माल्यगन्धानलंकारान्वस्त्राणि विविधानि च । एतान्येवाभिज्ञा-
 नाति sich auf Etwas verstehen MBh. 4, 76. उत्थानमभिज्ञानन्ति सर्वभूता-
 नि 3, 1207. भवानिममिन्द्रयुद्धं राजानमभिज्ञानाति 13339. बुद्ध्याभिज्ञानामि
 — न मादृशी त्वामभिभाष्टुमर्हति 15603. अर्हं हि नाभिज्ञानामि भवेदेवं न
 वेति वा 2821. किमेतत्राभिज्ञानीमः HARIV. 9618. भक्ष्या मामभिज्ञानाति
 यावान्यश्चास्मि तत्रतः BHĀG. 18, 55. इति मां यो ऽभिज्ञानाति 4, 14. नाभि-
 ज्ञानाति मामेभ्यः परम् 7, 13. अभिज्ञाय सुदेवं तम् nachdem er in ihm Su-
 deva erkannt hatte MBh. 3, 2684. तत्र नो नाभिज्ञानीपूर्वमतो मनुज्ञाः क्व-
 चित् 17433. नाभिज्ञसे स नृपतिर्द्विचित्रै समागतम् 2875. स आगच्छन्नेव
 स्वपतिरित्यभिज्ञातः ÇUK. 43, 4. इह त्वं नाभिज्ञानाति बालमेवापवाहितम्
 er weiss nicht, dass du hier bist HARIV. 9227. अर्हं नाभिज्ञानाति